जागृति

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वर्ष: 65 अंक: 9 मुम्बई अगस्त 2021

मन की बात

25 जुलाई, 2021

Khadi India

एक दिन में उच्चतम बिक्री

नई दिल्ली के खादी शोरूम में

दिनांक	बिक्री (रु.)
अक्टूबर 22, 2016	116.13 लाख
अक्टूबर 17, 2017	117.08 लाख
अक्टूबर 2, 2018	105.94 लाख
अक्टूबर 13, 2018	125.25 लाख
अक्टूबर 20, 2018	102.14 लाख
नवम्बर 17, 2018	102.72 लाख
अक्टूबर 2, 2019	127.57 लाख
अक्टूबर 2, 2020	102.24 लाख
अक्टूबर 24, 2020	105.62 लाख
नवम्बर 7, 2020	106.18 लाख
नवम्बर 13, 2020	111.40 लाख

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

वर्ष: 65 अंक: 9 मुम्बई, अगस्त 2021

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष

श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक

एम. राजन बाबू

सह संपादक

स्मिता जी. नायर

उप संपादक

सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी

सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

संजय सोमदे

वरिष्ठ कलाकार

चंद्रशेखर पुनवटकर
कलाकार

दिलिप पालकर
कलाकार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-14

- "मन की बात" के माध्यम से प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन के पश्चात खादी की बिक्री में कई गुना वृद्धि 3
- सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी खादी प्राकृतिक पेंट के "ब्रांड एंबेसडर" बने; खरीदा 1000 लीटर प्राकृतिक पेंट.....5
- बोल्ड : राजस्थान में आदिवासियों की आय और बांस आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग की अनूठी परियोजना.....8
- एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने नए खादी उत्पाद खादी बेबीवियर और अनूठे हाथ कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल लॉन्च किए.....11
- केवीआईसी ने भूटान, संयुक्त अरब अमीरात और मैक्सिको में ट्रेडमार्क पंजीकरण कराया; खादी ब्रांड के सरंक्षण के लिए 40 देशों में किया आवेदन 13
- केवीआईसी की बड़ी जीत; विश्व बौद्धिक संपदा संगठन ने दिल्ली स्थित फर्म को अवैध रूप से ब्रांड नाम "खादी" का उपयोग करने से रोका.....14
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा सीमा सुरक्षा बल ने जैसलमेर में मरुस्थलीकरण को रोकने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए 'बोल्ड' परियोजना की शुरुआत की.....15

प्रेस कवरेज व सोशल मीडिया .....20 से 27

"मन की बात" के माध्यम से प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन के पश्चात खादी की बिक्री में कई गुना वृद्धि

खादी को बढ़ावा देने के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के बार-बार अपील करने के कारण, 2014 से देश भर में खादी उत्पादों की बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई है। अक्टूबर 2016 से नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में खादी इंडिया के प्रमुख आउटलेट पर एक दिन की बिक्री ने 11 अलग-अलग मौकों पर 1 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। खादी के इस रिकॉर्ड प्रदर्शन का 25 जुलाई रविवार को प्रसारित प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" के नवीनतम एपिसोड में विशेषरूप से उल्लेख मिला।

जो इस प्रदर्शन को और भी महत्वपूर्ण बनाता है, वह यह है कि आर्थिक संकट और कोरोना महामारी के डर के बावजूद भी अक्टूबर-नवंबर 2020 में खादी की एक दिन की बिक्री 4 गुना अर्थात 1 करोड़ रुपये से अधिक हुई। इससे पूर्व 2018 में भी खादी के सीपी आउटलेट पर एक दिन की बिक्री 4 गुना अर्थात 1 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गई। 2 अक्टूबर, 2019 को, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने सीपी आउटलेट

1 जुलाई, 2021: माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विगत 7 वर्ष खादी के लिए पिछली सरकारों के 20 साल के शासन की तुलना में अधिक फलदायी रहे हैं। 1994-2013 तक खादी की बिक्री सिर्फ 15,068 करोड़ रुपये थी, जबकि यह सिर्फ 7 वर्षों यानी 2014 से 2021 तक बढ़कर 18,445 करोड़ रु. हो गई|

पर 1.27 करोड़ रुपये की सबसे अधिक एकल-दिवस बिक्री दर्ज की, जो अब तक का रिकॉर्ड रहा है।

22 अक्टूबर, 2016 को पहली बार सीपी में खादी इंडिया आउटलेट पर एक दिन की बिक्री 1.16 करोड़ रुपये तक पहुंच गई । इससे पूर्व, खादी की अधिकतम एक दिन की बिक्री 66.81 लाख रुपये थी जो 4 अक्टूबर 2014 को दर्ज की गई थी, जो कि "मन की बात" के माध्यम से प्रधान मंत्री के पहले संबोधन के एक दिन बाद दर्ज की गई। अपने रेडियो कार्यक्रम के प्रथम एपिसोड में, प्रधानमंत्री ने देशवासियों से कम से कम एक खादी उत्पाद खरीदने की अपील की थी क्योंकि इससे गरीब कारीगरों को दिवाली पर दीया जलाने में मदद मिलेगी।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने खादी को बढ़ावा देने के लिए माननीय प्रधान मंत्री के निरंतर समर्थन के लिए खादी की बिक्री में वृद्धि को श्रेय दिया। श्री सक्सेना ने आगे कहा, "माननीय प्रधानमंत्री के अपील के कारण ही बड़ी संख्या में लोग विशेषकर युवा खादी खरीदने के लिए इच्छुक हैं। "स्वदेशी" के बारे में बढ़ती चर्चा ने लाखों ग्रामोद्योगों को समृद्ध होने में मदद की और कोविड -19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भी इन ग्रामोद्योगों के विकास हुआ।

यह उल्लेख करना उचित है कि कोविड - 19 महामारी के गंभीर प्रभाव के बावजूद, केवीआईसी ने 2020-21 में अपना अब तक का अधिकतम वार्षिक कारोबार 95,741.74 करोड़ रुपये दर्ज किया, जबकि 2019-20 में 88,887 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था, और इस प्रकार 7.71% की वृद्धि पंजीकृत की गई।

खादी की एक दिन की बिक्री का आंकड़ा

4 अक्टूबर 2014	66.81 लाख रु.
2 अक्टूबर 2015	91.42 लाख रु.
22 अक्टूबर 2016	116.13 लाख रु.
17 अक्टूबर 2017	117.08 लाख रु.
2 अक्टूबर 2018	105.94 लाख रु.
13 अक्टूबर 2018	125.25 लाख रु
17 अक्टूबर 2018	102.72 लाख रु.
20 अक्टूबर 2018	102.14 लाख रु.
2 अक्टूबर 2019	127.57 लाख रु.
2 अक्टूबर, 2020	102.24 लाख रु.
24 अक्टूबर, 2020	105.62 लाख रु.
7 नवंबर, 2020	106.18 लाख रु
13 नवंबर, 2020	111.40 लाख रु

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी खादी प्राकृतिक पेंट के "ब्रांड एंबेसडर"बने; खरीदा 1000 लीटर प्राकृतिक पेंट

माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 6 जुलाई, 2021 को जयपुर में गाय के गोबर से बने भारत के पहले और एकमात्र खादी प्राकृतिक पेंट की नई स्वचालित विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया । श्री गडकरी ने नवीनीकृत प्रौद्योगिकी की सराहना की और कहा कि यह देश में ग्रामीण और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में एक लंबा सफर तय करेगा।

इस अवसर पर श्री गडकरी ने 1000 लीटर खादी प्राकृतिक पेंट (प्रत्येक 500 लीटर डिस्टेंपर और इमल्शन) का ऑर्डर भी दिया, जिसका वे नागपुर में अपने आवास पर उपयोग करना चाहते हैं। मंत्री महोदय ने स्वयं को खादी प्राकृतिक पेंट का "ब्रांड एंबेसडर" घोषित किया और कहा कि वह इसे देश भर में बढ़ावा देंगे ताकि युवा उद्यमियों को गोबर से पेंट के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

"श्री गडकरी ने कहा कि लाखों करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन भी उतना सुखद और संतोषजनक नहीं है जितना मैं आज इस निर्माण इकाई का उद्घाटन करते समय महसूस कर रहा हूं। मैं खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सफल शोध के लिए सराहना करता हूं। खादी प्राकृतिक पेंट में गरीब से गरीब व्यक्ति के लाभ के लिए सतत विकास करने की अपार संभावनाएं हैं। हमारा लक्ष्य हर गांव में एक प्राकृतिक पेंट यूनिट स्थापित करना है और इसके लिए मैं इस पेंट को इसके ब्रांड एंबेसडर के रूप में प्रचारित करूंगा । मैं, 1000 लीटर खादी प्राकृतिक पेंट का ऑर्डर दे रहा हूं और मैं इस पेंट का इस्तेमाल अपने आवास में करूंगा। कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तनिर्मित कागज संस्थान (केएनएचपीआई), जयपुर, जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की एक इकाई है। पहले प्राकृतिक पेंट का निर्माण एक प्रोटोटाइप परियोजना पर मैन्युअल रूप से किया जा रहा था। नई निर्माण इकाई के प्रारंभ होने से प्राकृतिक पेंट की

उत्पादन क्षमता दोगुनी हो जाएगी। वर्तमान में प्राकृतिक पेंट का दैनिक उत्पादन 500 लीटर है, जो प्रतिदिन 1000 लीटर तक जाएगा।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि नया संयंत्र आधुनिक तकनीकी और मशीनरी से लैस है जो गुणवत्ता और एकरूपता के मामले में उत्पाद के उच्चतम मानकों को भी सुनिश्चित करेगा। श्री सक्सेना ने कहा, "प्रौद्योगिकी उन्नयन से खादी प्राकृतिक पेंट बनाने में केएनएचपीआई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा उद्यमियों को भी लाभ होगा क्योंकि उन्हें नवीनतम तकनीकी सीखने को मिलेगी।

खादी प्राकृतिक पेंट, 12 जनवरी, 2021 को श्री गडकरी द्वारा लॉन्च किया गया। केएनएचपीआई, जिसने पेंट विकसित किया है, आवेदकों को प्राकृतिक पेंट बनाने में 5 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। अब तक, केएनएचपीआई ने 418 व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया है और 150 आवेदकों के प्रशिक्षण प्रतीक्षारत है। कोविड -19 लॉकडाउन के कारण प्रशिक्षण प्रक्रिया रुक गई थी; हालांकि, प्रशिक्षण शीघ्र ही फिर से शुरू होगा। अब तक केवीआईसी ने अपने स्टोर और केवीआईसी ई-पोर्टल के माध्यम से 11,000 लीटर से अधिक प्राकृतिक पेंट की बिक्री की है।

प्राकृतिक पेंट को किसानों की आय बढ़ाने और देश भर में स्वरोजगार पैदा करने के दोहरे उद्देश्यों के साथ लॉन्च किया गया है। इस नवाचार से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए, केवीआईसी ने इस परियोजना को प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत शामिल किया है, जो रोजगार सृजन के लिए केंद्र सरकार की एक प्रमुख योजना है।

दो प्रकार - डिस्टेंपर और इमल्शन के रूप में उपलब्ध, खादी प्राकृतिक पेंट में "अष्ट लाभ" शामिल है; यानी आठ लाभ जैसे एंटी- बैक्टीरियल, एंटी- फंगल और प्राकृतिक थर्मल इंसुलेशन गुण। यह पेंट पर्यावरण के अनुकूल, गैर विषैले, गंधहीन और किफायती हैं।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री एवं राज्य मंत्री ने मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण किया

नई दिल्ली: एमएसएमई के माननीय केंद्रीय मंत्री श्री नारायण राणे और माननीय राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप वर्मा ने 8 जुलाई, 2021 को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया।

9 जुलाई 2021: केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 9 जुलाई 2021 को एमएसएमई के नव नियुक्त माननीय मंत्री श्री नारायण राणे और एमएसएमई राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप वर्मा से मुलाकात की। प्रशासन और शासन में उनका अनुभव केवीआईसी और एमएसएमई को निश्चित रूप से नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और माननीय प्रधान मंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करेगा।

बोल्ड: राजस्थान में जनजातियों की आय और बांस आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग की अनूठी परियोजना

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा मरुस्थलीकरण को कम करने और आजीविका एवं बहुउद्देश्यीय ग्रामीण उद्योग को सहायता प्रदान करने के संयुक्त राष्ट्रीय उद्देश्यों की सेवा करने वाला एक अनूठा वैज्ञानिक प्रयास है। "सूखे भू-क्षेत्र पर बांस ओएसिस"(बोल्ड) नाम की परियोजना भारत में अपनी तरह का पहली परियोजना है जिसे केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा राजस्थान में उदयपुर के आदिवासी गाँव निचला मंडवा से स्थानीय सांसद श्री अर्जुन

लाल मीणा और 2000 से अधिक स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति में लोंच किया गया । आयोजन के दौरान सामाजिक दूरी और कोविड -19 मानदंडों का पालन किया गया।

विशेष रूप से असम से लाये गए विशेष बांस प्रजातियों के 5000 पौंधे – बंबुसा तुल्दा और बंबुसा पोलिमोर्फा - 25 बीघा

(लगभग 16 एकड़) खाली शुष्क ग्राम पंचायत भूमि में लगाये गए हैं। इस प्रकार केवीआईसी ने एक ही स्थान पर एक ही दिन में सवार्धिक संख्या में बांस के पौधे लगाने का विश्व रिकोर्ड बनाया।

प्रोजेक्ट बोल्ड, जिसके अंतर्गत शुष्क और अर्ध - शुष्क भू-क्षेत्रों में बांस आधारित हरा-भरा भू-क्षेत्र बनाने का प्रयास किया जाता है, देश में भूमि क्षरण को कम करने और मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के अनुरूप है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष " आजादी का अमृत महोत्सव" के हिस्से के रूप में इस पहल की शुरुआत की गई है। केवीआईसी अपने इस प्रयास को इस वर्ष अगस्त तक गुजरात में अहमदाबाद जिले के गाँव धोलेरा और लेह - लद्दाख क्षेत्र में इस परियोजना को दोहराने के लिए तैयार है। 21 अगस्त से पहले कुल 15,000 बांस के पौंधे लगाये जायेंगे।

भारत संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन टू कोम्बैट डेजर्टिफिकेशन (युएनसीसीडी) का एक हस्ताक्षरकर्ता सदस्य है । 14 जून को मरुस्थलीकरण, भू- रक्षण, सूखे पर संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय वार्ता में अपने मुख्य भाषण में, प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि की उर्वरता बढ़ाने का आह्वान किया। भारत में लगभग 30 प्रतिशत भूभाग में तेजी से हो रहे मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने

कहा कि इन 3 स्थानों पर बांस के हरित भू- भाग क्षेत्र देश के भूमि क्षरण प्रतिशत को कम करने में मदद करेंगे, जबकि दूसरी ओर वे सतत विकास और खाद्य सुरक्षा में भागीदारी करेंगे। बड़े पैमाने पर स्थानीय आदिवासी के लिए अतिरिक्त आय का सृजन होगा जबकि यह स्थानीय बांस आधारित उद्योगों का भी समर्थन करेगा और इस प्रकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

श्री सक्सेना ने कहा कि तीन वर्षों में, ये बांस के हरित भू–क्षेत्र राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में अगरबत्ती निर्माताओं की बांस की आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम होंगे। इस तरह, बांस रोपण से निर्मित हरित भू – भाग संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पूरा करेंगे।"

सांसद श्री अर्जुन लाल मीणा ने कहा कि उदयपुर में बांस वृक्षारोपण कार्यक्रम से क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की परियोजनाओं से क्षेत्र में बड़ी संख्या में महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़कर फायदा होगा। उन्होंने आत्मनिर्भर रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए केवीआईसी की सराहना की और कहा कि यह, माननीय प्रधान मंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में योगदान देगा।

केवीआईसी विशेष रूप से असम से बांस की दो

प्रजातियां - बंबुसा टुल्डा और बंबुसा पॉलीमोर्फा लाया है। जबकि अगरबत्ती की तीलियों को बनाने के लिए बंबुसा टुल्डा का उपयोग किया जाता है; बंबुसा पॉलीमोर्फा का उपयोग फर्नीचर और हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्माण करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा, वृक्षारोपण स्थान को मधुमक्खी पालन गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए, केवीआईसी ने पपीता, अनार और मोरिंगा के 100-100 पेड़ लगाए हैं।

केवीआईसी ने भूरे रंग के भू-भाग विकसित करने के लिए विवेकपूर्ण तरीके से बांस को चुना है। बांस बहुत तेजी से बढ़ते हैं और लगभग तीन साल की अवधि में, उन्हें काटा जा सकता है, और आय अर्जित की जा सकती है। इन तीन वर्षों में, 5000 बांस के पौधे कम से कम 20,000 बांस के लट्ठों का उत्पादन करेंगे, जिसका वजन लगभग 500 मीट्रिक टन बांस होगा। 5000 रुपये प्रति टन की मौजूदा बाजार दर पर, यह बांस की उपज तीन साल बाद और बाद में प्रत्येक वर्ष लगभग 25 लाख रुपये की आय उत्पन्न करेगी, इस प्रकार स्थानीय अर्थव्यवस्था में सहायता होगी।

बांस का उपयोग अगरबत्ती की तीलियाँ, फर्नीचर, हस्तशिल्प, संगीत वाद्ययंत्र और कागज की लुगदी बनाने के लिए किया जा सकता है, जबकि बांस के कचरे का व्यापक रूप से लकड़ी का कोयला और ईट बनाने के ईंधन के रूप में उपयोग किया जाता है।

माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने 20 जुलाई, 2021 को कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में आयोग के खादी इंडिया आउटलेट का दौरा किया।

बांस का उपयोग पानी के संरक्षण और भूमि की सतह से पानी के वाष्पीकरण को कम करने के लिए भी जाना जाता है, जो शुष्क और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

◆◆◆

एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने नए खादी उत्पाद - खादी बेबीवियर और अनूठे हाथ कागज 'यूज एंड थ्रो' चप्पल लॉन्च किए

माननीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने 15 जुलाई, 2021 को नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में खादी इण्डिया के प्रमुख शोरुम में खादी की दो नई विशेष उत्पाद श्रृखंला-खादी कॉटन बेबीवियर और अनूठी खादी हस्तनिर्मित पेपर चप्पल लॉन्च की। इस अवसर पर माननीय एमएसएमई राज्य मंत्री, भानु प्रताप सिंह वर्मा और केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना उपस्थित थे। दोनों मंत्रियों ने सीपी शो रूम में डेढ़ घंटे से अधिक समय बिताया और खादी के उपलब्ध उत्पादों की रेंज की सराहना की।

नए उत्पादों में बच्चों के लिए खादी के सूती वस्त्र शामिल हैं जो एक नई पहल है, सबसे पहले, केवीआईसी ने नवजात शिशुओं और 2 वर्ष तक के बच्चों के लिए स्लीवलेस वेस्ट (झबला) और फ्रॉक के साथ ब्लूमर और लंगोट लॉन्च किया है । खादी और ग्रामोद्योग ने 100% हाथ कते और हाथ बुने हुए सूती वस्त्र का उपयोग किया है जो बच्चों के कोमल और संवेदनशील त्वचा पर सौम्यता प्रदान करता है और उन्हें किसी भी तरह के चकते या त्वचा की जलन से बचाता है।

माननीय मंत्रियों ने खादी के हाथ कागज से बने"यूज एंड थ्रो" चप्पल भी लॉन्च किए, जिसे भारत में पहली बार विकसित किया गया है । ये हाथकागज चप्पल 100% पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी हैं । इन चप्पलों को बनाने में उपयोग किया जाने वाला हाथ कागज पूरी तरह से लकड़ी से मुक्त होता है और कपास और रेशम के वस्त्रों और कृषि अपशिष्ट जैसे प्रकृतिक रेशों से बना होता है। ये चप्पल भारहीन और यात्रा और घर के अन्दर उपयोग जैसे घर, होटल के कमरे , अस्पताल, पूजा स्थल, प्रयोगशालाएं आदि के लिए सबसे उपयुक्त हैं। यह स्वच्छता के दृष्टि से भी प्रभावी हैं।

जबकि खादी कॉटन बेबीवियर की कीमत सामान रूप से 599 रुपये प्रति पीस है; हाथ कागज से बनी चप्पलों की कीमत मात्र 50 रुपये प्रति जोड़ी है। दो नए उत्पादों को कनॉट प्लेस में खादी शोरुम के साथ-साथ केवीआईसी के ऑनलाइन पोर्टल www.khadiindia.gov.in के माध्यम से ख़रीदा जा सकता है। नए खादी उत्पादों को लॉन्च करते हुए, श्री राणे ने पर्यावरण के अनुकुल और टिकाऊ उत्पादों के प्रभावी और अधिक विपणन पर जोर दिया। मंत्री महोदय ने कहा, कि 'इस क्षेत्र में बड़े

बाजार हिस्सेदारी पर कब्ज़ा करके, केवीआईसी रोजगार के अधिक अवसर पैदा कर सकता है और अपने उपभोक्ता आधार को बड़े अंतर से बड़ा सकता है।'

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि हाथ कागज उद्योग का समर्थन करने और कारीगरों के लिए स्थाई रोजगार पैदा करने के उद्देश्य से केवी आईसी द्वारा हाथ कागज से बने "यूज एंड थ्रो" चप्पल विकसित किए गए हैं। श्री सक्सेना ने कहा 'ग्रामीण और पारंपरिक उद्योगों और खादी कारीगरों की आजीविका को सहयोग करने के लिए इन नवीन उत्पादों का विकास करना केवीआईसी का निरंतर प्रयास रहा है।यह भी पहली बार है कि केवीआईसी ने बेबीवियर के उत्पादन में कदम रखा है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा सीमा सुरक्षा बल ने जैसलमेर में मरुस्थलीकरण को रोकने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए 'बोल्ड' परियोजना की शुरुआत की

राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों में हरित क्षेत्र विकसित करने के लिए अपनी तरह के पहले प्रयास में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 27 जुलाई, 2021 को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सहयोग से जैसलमेर के तनोट गाँव में बांस के 1000 पौधे लगाए।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बीएसएफ के विशेष महानिदेशक (पश्चिमी कमान) श्री सुरेंद्र पंवार की उपस्थिति में इस महत्वपूर्ण वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। केवीआईसी के प्रोजेक्ट बोल्ड (सूखे क्षेत्र वाली भूमि पर बांस आधारित हरित क्षेत्र) के हिस्से के रूप में बांस रोपण का उद्देश्य मरुस्थलीकरण को कम करने और स्थानीय आबादी को आजीविका उपलब्ध कराने तथा बहुउद्देश्यीय ग्रामीण उद्योग सहायता प्रदान करने के संयुक्त राष्ट्रीय लक्ष्यों की पूर्ति करना है।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर लोंगेवाला पोस्ट के पास स्थित प्रसिद्ध तनोट माता मंदिर के पास 2.50 लाख वर्ग फुट से अधिक ग्राम पंचायत भूमि में बांस के पौधे लगाए गए हैं। जैसलमेर शहर से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित, तनोट राजस्थान में सबसे अधिक देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक बन चुका है। केवीआईसी ने पर्यटकों के आकर्षण के रूप में तनोट में बांस आधारित हरित क्षेत्र को विकसित करने की योजना बनाई है। इन बांस के पेड़ों के देख रेख का दायित्व बीएसएफ का होगा।

'प्रोजेक्ट बोल्ड' 4 जुलाई को राजस्थान के उदयपुर जिले के एक आदिवासी गांव निचला मंडवा से शुरू किया गया था, जिसके तहत 25 बीघा शुष्क भूमि पर विशेष बांस प्रजातियों के 5000 पौधों का रोपण किया गया था। यह पहल भूमि क्षरण को कम करने और देश में मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के अनुरूप है। देश की आज़ादी के 75वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "आजादी का अमृत महोत्सव" मनाने के लिए केवीआईसी के "खादी बांस महोत्सव" के हिस्से के रूप में इस पहल की शुरूआत की है।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष

ने कहा कि जैसलमेर के रेगिस्तान में बांस पौधों का रोपण कई उद्देश्यों को पूरा करेगा, जिनमें मरुस्थलीकरण को रोकना, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण और बांस आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर के विकास का स्थायी मॉडल स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में ये बांस कटाई के लिए तैयार हो जाएंगे। श्री सक्सेना ने कहा कि इस पहल से एक ओर जहां स्थानीय ग्रामीणों के लिए बार-बार होने वाली आय के अवसर उत्पन्न होंगे, वहीं लोंगेवाला पोस्ट और तनोट माता मंदिर जैसे एक जाने - माने पर्यटन स्थल पर आने वाले पर्यटकों की बड़ी संख्या को देखते हुए केवीआईसी इस स्थान पर बांस आधारित हरित क्षेत्र विकसित करेगा। बहुत कम समय में परियोजना को लागू करने के लिए उन्होंने बीएसएफ के सहयोग की सराहना की।

अगले 3 वर्षों में ये 1000 बांस के पौधे कई गुना बढ़ जायेंगे और लगभग 100 मीट्रिक टन बांस के वजन वाले कम से कम 4,000 बांस के लट्ठों का उत्पादन करेंगे। मौजूदा 5000 रुपये प्रति टन की बाजार दर पर यह बांस की उपज तीन साल पश्चात और इसके बाद में हर साल लगभग **5** लाख रुपये की आजीविका उत्पन्न करेगी, इस प्रकार से स्थानीय अर्थव्यवस्था को इससे काफी बढ़ावा मिलेगा।

बांस का उपयोग अगरबत्ती की स्टिक बनाने, फर्नीचर, हस्तशिल्प, संगीत वाद्ययंत्र और कागज की लुगदी बनाने के लिए किया जा सकता है, जबकि बांस के कचरे का व्यापक रूप से लकड़ी का कोयला और ईंधन ब्रिकेट बनाने में उपयोग किया जाता है। बांस पानी के संरक्षण के लिए भी जाने जाते हैं और इसलिए ये शुष्क और सूखे की अधिकता वाले क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी हैं।

7 जुलाई, 2021 को आयोग के उत्तर –पूर्व क्षेत्र के माननीय सदस्य श्री दुयू तमो ने असम खादी ग्रामोद्योगी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता की और उन्होंने बैठक में अधिकारियों के साथ खादी और ग्रामोद्योग कार्यक्रमों के विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

केवीआईसी ने विश्व एमएसएमई दिवस 2021 मनाया

एमएसएमई उद्यम, भारतीय अर्थव्यवस्था के समावेशी और सतत विकास के केंद्र हैं

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, भारत में विनिर्माण के लिए अपरिहार्य हैं। एमएसएमई के बिना विनिर्माण क्षेत्र एवं इसकी नौकरियां और निर्यात ठप हो जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र ने 27 जून को विश्व सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) दिवस के रूप में घोषित किया।

केवीआईसी ने 27 जून, 2021को पूरे देश में केंद्रीय कार्यालय, मुंबई सहित अपने राज्य/मंडल कार्यालयों में विश्व एमएसएमई दिवस मनाया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) भी एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने और अपनी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करने के लिए बेहतर काम कर रहा है। ऑनलाइन सेमिनार और वेबिनार आयोजित करके विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से एमएसएमई दिवस मनाया गया।

केवीआईसी ने भूटान, संयुक्त अरब अमीरात और मैक्सिको में ट्रेडमार्क पंजीकरण कराया; खादी ब्रांड के सरंक्षण के लिए 40 देशों में किया आवेदन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने हाल ही में तीन देशों - भूटान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और मैक्सिको में ट्रेडमार्क पंजीकरण हासिल किया है - जो विश्व स्तर पर "खादी" ब्रांड की पहचान की रक्षा करने की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। इन देशों के अलावा, केवीआईसी के ट्रेडमार्क आवेदन दुनिया भर के 40 देशों में लंबित हैं जिनमें यूएसए, कतार, श्रीलंका, जापान, इटली, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, ब्राजील और अन्य शामिल हैं।

जबकि केवीआईसी ने 9 जुलाई को भूटान में नवीनतम ट्रेडमार्क पंजीकरण किया; उसे संयुक्त अरब अमीरात में 28 जून को ट्रेडमार्क पंजीकरण प्रदान किया गया। इसके साथ, केवीआईसी पहली बार किसी खाड़ी देश में ट्रेडमार्क पंजीकरण हासिल करने में सफल रहा है। पूर्व में, केवीआईसी को दिसंबर 2020 में मैक्सिको में "खादी" के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण मिला था। अब तक केवीआईसी के पास जर्मनी, यूके, ऑस्ट्रेलिया, रूस, चीन और यूरोपीय संघ के 6 देशों में "खादी" शब्द के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण हासिल था, जहां कुछ वर्गों में ट्रेडमार्क पंजीकरण दिए गए थे।

हालांकि, भूटान, संयुक्त अरब अमीरात और मैक्सिको में हाल ही में ट्रेडमार्क पंजीकरण के साथ, ऐसे देशों की संख्या नौ हो गई है। इन देशों में, केवीआईसी ने खादी वस्त्र, खादी के तैयार वस्त्र और ग्रामीण उद्योग के उत्पादों जैसे खादी साबुन, खादी सौंदर्य प्रसाधन, खादी अगरबत्ती से संबंधित विभिन्न वर्गों में पंजीकरण हासिल किया है।

केवीआईसी के इतिहास में यह पहली बार है कि पिछले 5 वर्षों में "खादी" ब्रांड की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं, खादी हमें किसी और से नहीं बल्कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से मिला है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि ये ट्रेडमार्क पंजीकरण विश्व स्तर पर "खादी" ब्रांड नाम के किसी भी दुरुपयोग को रोकेगा। "हाल के वर्षों में, खादी को अपनाने की प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील के कारण भारत और विदेशों में खादी की लोकप्रियता में भारी वृद्धि देखी गई है। इसलिए, खादी की पहचान की रक्षा करना और वास्तविक खादी उत्पादों का निर्माण करने वाले लाखों खादी कारीगरों और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना केवीआईसी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह पहली बार है कि खादी को इस तरह के दुरुपयोग से बचाने के लिए केवीआईसी ने अथक प्रयास किए हैं। इन प्रयासों से महत्वपूर्ण परिणाम मिले हैं और विगत कुछ वर्षों में खादी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है," सक्सेना ने कहा, अन्य देशों में ट्रेडमार्क पंजीकरण को जल्द से जल्द सुरक्षित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

यह विकास बहुत महत्व रखता है क्योंकि मेक्सिको और जर्मनी जैसे देशों में कुछ निजी स्थानीय संस्थाओं द्वारा अपने-अपने देशों में ब्रांड नाम "खादी" के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण की मांग की गई है। केवीआईसी ने मेक्सिको में, "वन फाउंडेशन ओक्साका एसी" के ट्रेडमार्क आवेदन को चुनौती दी, जिसने "खादी" 'लोगो' के लिए आवेदन किया था। हालांकि, कंपनी ने केवीआईसी की आपत्तियों को चुनौती नहीं दी तथा "खादी" और "खादी" 'लोगो' शब्द के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण केवीआईसी के पक्ष में दिया गया था।

इसी तरह, केवीआईसी ने जर्मनी में, एक स्थानीय कंपनी – 'बेस्ट नेचुरल प्रोडक्ट्स जीएमबीएच ("बीएनपी")' को चुनौती दी, जिसे 2011 में "खादी" तथा यूरोपीय संघ और अन्य देशों में विभिन्न वर्गों में संबंधित चिन्ह के पूर्व से ही अधिकार मिल गए थे। लंबी कानूनी लड़ाई और विदेश मंत्रालय की मदद से राजनायिक माध्यम के जरिए विचारविमर्श के पश्चात्, बीएनपी ने केवीआईसी के साथ ट्रेडमार्क विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने की इच्छा जताई है। ◆◆◆

केवीआईसी की बड़ी जीत; विश्व बौद्धिक संपदा संगठन ने दिल्ली स्थित फर्म को अवैध रूप से ब्रांड नाम "खादी" का उपयोग करने से रोका

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ), दुनिया भर में ब्रांड संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी ने दिल्ली स्थित एक फर्म को एक डोमेन नाम www.urbankhadi.com का उपयोग करने के विरुद्ध आदेश दिया है, जो अवैध रूप से ब्रांड नाम "खादी" का उपयोग करता है। डब्ल्यूआईपीओ पंचाट और मध्यस्थता केंद्र के प्रशासनिक पैनल ने यह निर्णय सुनाया है कि हर्ष गाबा के स्वामित्व वाली फर्म "ओम सॉफ्ट सॉल्यूशंस" ने " बदनीयत" से डोमेन नाम www.urbankhadi.com को पंजीकृत किया और खादी की साख का लाभ उठाने लिए इसका इस्तेमाल किया था।

पैनल का आदेश खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की एक याचिका पर आया है, जो "ओम सॉफ्ट सॉल्यूशंस" के खिलाफ है, जो ब्रांड नाम "खादी" का दुरुपयोग करके कपड़ा व्यवसाय में लिप्त था। पैनल ने केवीआईसी के तर्कों को माना कि "यह श्री हर्ष गाबा द्वारा खादी ब्रांड नाम का अनुचित लाभ व गलत व्यावसायिक लाभ प्राप्त करने और जनता को यह विश्वास दिलाने के लिए एक व्यवस्थित प्रयास था कि www.urbankhadi.com खादी इंडिया का सहयोगी है।" पैनल ने कहा, "यह स्पष्ट है कि विवादित डोमेन नाम में प्रतिवादी का कोई वैध हित नहीं हो सकता है ... कोई भी "खादी" शब्द का इस्तेमाल तब तक नहीं करेगा जब तक कि वह खादी चिन्ह के साथ खादी का सहयोगी नहीं बनाता ।

पैनल ने फैसला सुनाया कि.....“शिकायतकर्ता (केवीआईसी) द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य इस अनुमान की ओर ले जाते हैं कि विवादित डोमेन नाम www.urbankhadi.com पंजीकृत किया गया था और प्रतिवादी द्वारा बदनीयती में उपयोग किया गया था...। पैनल आदेश देता है कि विवादित डोमेन नाम को शिकायतकर्ता अर्थात केवीआईसी को स्थानांतरित किया जाए।”

पैनल ने "ओम सॉफ्ट सॉल्यूशंस" के तर्कों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया कि "खादी" शब्द को कोई सुरक्षा नहीं मिली और किसी को भी "खादी" नाम का उपयोग करने का विशेष अधिकार नहीं था। पैनल ने देखा ".... शिकायतकर्ता (केवीआईसी) कई खादी ट्रेडमार्क पंजीकरणों का स्वामी है। शिकायतकर्ता के पास ट्रेडमार्क "खादी" और "खादी इंडिया" का भी स्वामित्व है ... विवादित डोमेन नाम www.urbankhadi.com में केवीआईसी का ट्रेडमार्क शामिल है और यह भ्रामक रूप से शिकायतकर्ता (केवीआईसी) के ट्रेडमार्क के समान है।"

केवीआईसी के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि डब्ल्यूआईपीओ का आदेश न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी अपने ब्रांड नाम के उल्लंघन के खिलाफ खादी की लड़ाई को मजबूत करेगा । “केवीआईसी खादी की पहचान और वैश्विक लोकप्रियता की रक्षा के लिए सभी उपाय करेगा। केवीआईसी ने "खादी" ब्रांड नाम के किसी भी दुरुपयोग को रोकने के लिए कई देशों में ट्रेडमार्क "खादी" पंजीकृत किया है क्योंकि इसका हमारे कारीगरों की आजीविका पर सीधा असर पड़ता है।

श्री सक्सेना ने कहा कि डब्ल्यूआईपीओ का यह आदेश व्यक्तियों और फर्मों के लिए "खादी" ब्रांड नाम का अवैध रूप से उपयोग करने से एक निरोधक साबित होगा।"

यह उल्लेख करना उचित है कि केवीआईसी ने हाल के दिनों में अपने ट्रेडमार्क "खादी" के उल्लंघन के खिलाफ कई मामले जीते हैं। 4 जून को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने गाजियाबाद के एक व्यापारी जेबीएमआर एंटरप्राइजेज को नकली खादी प्राकृतिक पेंट के निर्माण और बिक्री से भी रोका । 28 मई को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने "खादी डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया" और "मिस इंडिया खादी फाउंडेशन" को "खादी" ब्रांड नाम का उपयोग करने से रोका। 3 मई को, दिल्ली में एक ट्रिब्युनल ने कहा था कि "खादी" निजी व्यक्तियों या फर्मों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला सामान्य नाम नहीं, तब किसी व्यक्ति को खादी ब्रांड नाम का उपयोग करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया। इस साल मार्च में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक फर्म को खादी ब्रांड नाम और चरखा प्रतीक का उपयोग अपने उत्पादों को “IWEARKHADI” नाम से बेचने से रोक दिया था।

केवीआईसी ने पिछले कुछ वर्षों में ऐसे उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है । केवीआईसी ने अब तक फैबइंडिया सहित 1000 से अधिक निजी फर्मों को अपने ब्रांड नाम का दुरुपयोग करने और खादी के नाम से उत्पाद बेचने के लिए कानूनी नोटिस जारी किए हैं। केवीआईसी ने फैबइंडिया से 500 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है जो मुंबई उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है|

◆◆◆

29 जून 2021 को मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में नरकास के हिंदी अधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

7 जुलाई, 2021 को त्रिपुरा में 5 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण शुरू हुआ

प्रेस कवरेज

हमारे देश के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में, Handloom कमाई का बहुत बड़ा साधन है। ये ऐसा क्षेत्र है जिससे लाखों महिलाएं, लाखों बुनकर, लाखों शिल्पी जुड़े हुए हैं। आपके छोटे-छोटे प्रयास, बुनकरों में एक नई उम्मीद जगाएँगे। आप स्वयं कुछ-न-कुछ खरीदें, और अपनी बात दूसरों को भी बताएं और जब हम आजादी के 75 साल मना रहे हैं, तब तो, इतना करना हमारी जिम्मेवारी बनती ही है भाइयो।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 25 जुलाई 2021

Khadi India

साल 2014 के बाद से ही '**मन की बात**' में हम अक्सर खादी की बात करते हैं। ये आपका ही प्रयास है की **आज देश में खादी की बिक्री कई गुना बढ़ गई है**। क्या कोई सोच सकता था की खादी के किसी स्टोर से एक दिन में एक करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री हो सकती है!, लेकिन आपने ये भी कर दिखाया है। आप जब भी कहीं पर खादी का कुछ खरीदते हैं, तो इसका लाभ, हमारे गरीब बुनकर भाइयों – बहनों को ही होता है। इसलिए **खादी खरीदना एक तरह से जन-सेवा भी है, देश-सेवा भी है**। मेरा आपसे आग्रह है कि आप सभी मेरे प्यारे भाइयों–बहनों ग्रामीण इलाकों में बन रहे Handloom Products जरूर खरीदें और उसे #MyHandloomMyPride के साथ शेयर करें।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 25 जुलाई 2021

@kvicindia @Chairmankvic kvicindia @kvicindia @kvicindia www.kvic.org.in

साल 2014 के बाद से ही 'मन की बात' में हम अक्सर खादी की बात करते हैं। ये आपका ही प्रयास है कि आज देश में खादी की बिक्री कई गुना बढ़ गई है। क्या कोई सोच सकता था कि खादी के किसी स्टोर से एक दिन में एक करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री हो सकती है!, लेकिन आपने ये भी कर दिखाया है। आप जब भी कहीं पर खादी का कुछ खरीदते हैं, तो इसका लाभ, हमारे गरीब बुनकर भाइयो- बहनों को ही होता है। इसलिए खादी खरीदना एक तरह से जन-सेवा भी है, देश-सेवा भी है। मेरा आपसे आग्रह है कि आप सभी मेरे प्यारे भाइयो-बहनों ग्रामीण इलाकों में बन रहे Handloom Products जरूर खरीदें और उसे #MyHandloomMyPride के साथ शेयर करें।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 25 जुलाई 2021

FOCUS NEWS

लेंगे पीएम
पने विचार

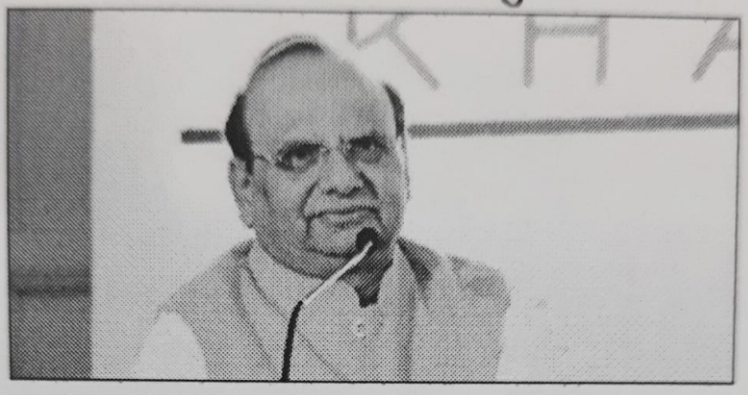

कोविन ग्लोबल
ोना से निपटने
पब्लिक गुड के
प्राधिकरण ने
जाएगा। इस
के निर्माण और
स्थ्य प्राधिकरण
ामिल होंगे और
वियतनाम, पेरू,
न, नाइजीरिया,
अपने स्वयं के
न तकनीक के
ण अभियान के
चालन के बाद,
तेजी से विस्तार
मई की शुरुआत
ए गए। बता दें
ली ही अब इसे
रही है।

खादी–ग्रामोद्योग ने सूखा रोकने के उद्देश्य से बोल्ड परियोजना की शुरुआत की

नयी दिल्ली। फोकस न्यूज। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने राजस्थान में मरुस्थलीकरण कम करने और आजीविका के अवसरों का विस्तार करने के उद्देश्य से रविवार को एक परियोजना की शुरुआत की, जिसके तहत प्रदेश में बांस की विशेष प्रजातियों के 5,000 पौधे रोपे गए। केवीआईसी ने एक बयान में कहा कि केवीआईसी अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने स्थानीय सांसद अरूज लाल मीणा और समेत दो हजार ग्रामीणों की मौजूदगी में राजस्थान में उदयपुर के निचला मांडवा गांव में शुष्क भूमि पर बांस (बोल्ड) परियोजना का शुभारम्भ किया। केवीआईसी ने कहा कि बोल्ड परियोजना में शुष्क और अर्ध-शुष्क भूमि क्षेत्रों में बांस रोप कर हरियाली लाने का लक्ष्य है। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भू-क्षरण रोकने और देश में मरुस्थलीकरण को रोकने के आह्वान से प्रेरित है। इस परियोजना के लिए असम से बंबुसा टुल्डा और बम्बुसा पॉलीमोर्फा प्रजाति के पांच हजार पौधे (बांस के कंद) को ग्राम पंचायत की खाली पड़ी 16 एकड़ से अधिक जमीन पर रोपे गये। उसने कहा कि इस प्रकार केवीआईसी ने एक ही स्थान पर एक ही दिन में सर्वाधिक संख्या में बांस रोपने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह पहल स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केवीआईसी के खादी बांस महोत्सव के अंतर्गत की गई है।

राजस्थान पत्रिका
बांसवाड़ा, गुरुवार, 15 जुलाई, 2021

बांसवाड़ा पत्रिका

परतापुर . कुशलगढ़ . घाटोल . बागीदौरा . सज्जनगढ़ . छोटी सरवन . अरथूना . आनन्दपुरी . दानपुर . पालोदा . छोटी सरवा . गांगड़तलाई

ग्रामीणों में टीके के प्रति विकृत मानसिकता बदलने पर दिया जोर

पेज@08

पत्रिका डिजिटल कनेक्ट digital patrika.com

आपके साथ चलेंगी खबरें
पत्रिका डिजिटल पर अपनी खबर का व्यापक कवरेज, वीडियो व फोटो देखने और अपनी राय रखने के लिए संबंधित लोगो के साथ दिए लिंक को मोबाइल पर टाइप करें...

यहां आपकी या आपके क्षेत्र की खबर से जुड़ा वीडियो अपने मोबाइल फोन पर देख सकते हैं। | इस लिंक की मदद से देखें घटना-कार्यक्रम से जुड़ी अन्य तस्वीरें। | यहां मिलेगी खबर से जुड़ी विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तृत और एक्सक्लुसिव जानकारी। | अपने शहर, प्रदेश और देश-दुनिया के मुद्दे से जुड़े ऑनलाइन सर्वे में शामिल होकर दें अपनी राय। | आप संबंधित मुद्दे-खबर पर अपने विचार कमेंट बॉक्स में बता सकते हैं। | पत्रिका टीवी पर देखें पल पल की खबरों के अपडेट और व्यापक कवरेज। पत्रिका के यूट्यूब चैनल पर देखें खबरों के ताजा वीडियो।

सूर्यास्त आज शाम 07:25 बजे
सूर्योदय कल सुबह 05:57 बजे
तापमान ▲ 36°C ▼ 26°C

काम की जानकारी

मंगल प्रवेश 16 को

बांसवाड़ा. आचार्य विभव सागर महाराज की शिष्या आर्यिका अर्हमश्री, संस्कृतश्री माता व अर्हनश्री माता 3 पिच्छी ससंघ एवं आर्यिका प्रशस्तमति माता का बाहुबली कॉलोनी में मंगल प्रवेश 16 जुलाई 2021 को होगा। समाज के महेंद्र कवालिया ने बताया माताजी ससंघ का कस्टम चौराहे से प्रातः 7.30 बजे जगह-जगह स्वागत होगा।

देवी लाल बने संभागीय प्रभारी

बांसवाड़ा. अखिल भारतीय श्री विश्वकर्मा महासंगठन की ओर से संगठन के जिला अध्यक्ष देवीलाल सुथार को संभागीय प्रभारी पद पर नियुक्त किया गया। उन्हें महासंगठन के माध्यम से

स्टार्टअप अभियान से मिली मदद: आर्गेनिक ब्यूटी व कॉस्मेटिक उत्पाद कर रहे तैयार

युवाओं की पहल, एक आइडिये से बदलाव की ओर बढ़ाया कदम

पत्रिका मोटिवेशनल स्टोरी

अशोक स्वर्णकार
patrika.com

परतापुर. किसी ने सच कहा है कि एक आइडिया आपकी जिंदगी बदल सकता है। इसको चरितार्थ करते हुए परतापुर के दो युवा भारत सरकार के स्टार्टअप इंडिया अभियान में नजीर पेश कर रहे हैं। कोरोना संक्रमण के बदलाव के दौर में युवाओ ने जैविक उत्पादक से बने ब्यूटी व कॉस्मेटिक में अपना भाग्य आजमाते हुए धीरे धीरे सफलता की ओर कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं।

यह कमाल परतापुर बेणेश्वर लोक विकास संस्थान के सचिव यतीन उपाध्याय एवं फार्मासिस्ट जिग्नेश भट्ट ने कोरानाकाल की आपदा में अवसर ढूंढते हुए किया है। युवाओं ने यूनिट की स्थापना के साथ ही विभिन्न औषध पौधे लगाकर इसे विस्तृत रूप देने का मानस भी बनाया है। करीब 9 लाख की लागत में तैयार यूनिट में उत्पाद बनाने दिसंबर 2020 से शुरू किए गए हैं। फिलहाल बारह से पंद्रह हजार साबुन प्रतिमाह तैयार किए जा रहे हैं।

उत्पाद का पैकिंग करती महिलाएं।

कार्य करते युवा।

ऐसे हुई राह आसान

दोनों युवाओं ने भारत सरकार के स्टार्टअप इंडिया के तहत खादी ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई योजना का सही उपयोग करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा परतापुर के मार्फत ऋण लेकर इस यूनिट को सशक्त बनाया। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप इंडिया में पंजीकरण होने के बाद पीएमईजीपी द्वारा दिए गए प्रशिक्षण व आई आई एम उदयपुर द्वारा आयोजित इन्क्यूबेशन ट्रेनिंग ने उन्हें इस क्षेत्र में पारंगत बनाया।

यों किया आगाज

मुंबई की सोलफ्लावर इंडिया कम्पनी के अमित सरड़ा से सम्पर्क में आए। सरड़ा द्वारा दिखाए गए विजन से इस योजना को सफल बनाने के लिए उत्पादन करने में शोध व मानक दृष्टि से इस पुरी प्रक्रिया को समझा। इसके बाद यूनिट से रोजगार के नए अवसर खुले है और खुद के भविष्य के साथ औरों का भी भविष्य संवरने की राह भी खुल गई है।

पिछले कई साल से चल रही बेणेश्वर लोक विकास संस्थान सामाजिक सरोकार से जुड़ी हुई है। जिसमें विशेषकर महिलाओं के बीच जाकर उनको स्वयं सहायता समूह से जोड़ा गया। युवा उपाध्याय एवं भट्ट ने बताया कि आज ब्यूटी व कॉस्मेटिक की इस यूनिट में महिलाएं रोजगार पा रही है। ब्यूटी और कॉस्मेटिक के उत्पादों की खादी से मान्यता है। उत्पादन यूनिट को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य स्थानीय संस्थान से जुड़ी हुई स्वयं सहायता समूहों की जनजाति महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से सशक्त बनाना है। कोरानाकाल का दंश झेल चुकी आर्थिक दृष्टि से कमजोर हुई इन महिलाओं को इन उत्पादकों से रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देकर बढ़ावा देंगे।

ऑर्गेनिक क्षेत्र में है रोजगार की कई संभावना

तैयार उत्पाद साबुन

युवा कृषि क्षेत्र में अपने आसपास हो रही फसलों से हटकर जैविक खेती कर खुद भी लाखों कमा सकते है और अन्य युवाओं तथा महिलाओं को रोजगार दे भी सकते है। इस क्षेत्र में हल्दी, फूलों की खेती, औषधीय खेती सहित ऐसी फसलों को ऑर्गेनिक तरीके से उगा कर कृषि क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए जा सकते है। यूनिट के माध्यम से युवाओं ने अपनी पैतृक जमीन पर इसकी शुरूआत कर दी। वैसे इस संस्थान के द्वारा प्रतिवर्ष सौ पौधों से बढ़ाकर इस वर्ष एक हजार औषधीय पौधे लगाए गए है। जो लगाई गई यूनिट में उपयोग होंगे।

खादी के उत्पादन को लगे पंख, 188% की बढ़ोतरी

पीएम ने पहली बार 2014 में खादी खरीदने की अपील की थी

मन की बात का असर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात से खादी की बिक्री को भारी प्रोत्साहन मिला है। मोदी ने पहली बार दो अक्टूबर 2014 को मन की बात में लोगों से खादी खरीदने की अपील की थी और उसके बाद से अब तक खादी के उत्पादन में 188 फीसद की बढ़ोतरी हो चुकी है।

केवीआइसी के चेयरमैन वीके सक्सेना कहते हैं, वर्ष 2014-15 में खादी का उत्पादन 879.98 करोड़ रुपये का था। वर्ष 2018-19 तक उत्पादन में 100 फीसद से अधिक की वृद्धि दर्ज हो चुकी थी। वहीं वर्ष 2014-15 के मुकाबले फिलहाल उत्पादन में 188 फीसद की वृद्धि हो चुकी है। सक्सेना ने बताया कि प्रधानमंत्री की तरफ से एक बार फिर से खादी का जिक्र करने के बाद

रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात में जिक्र के बाद केवीआइसी के आनलाइन हिट में भारी बढ़ोतरी ● फाइल फोटो

रविवार को केवीआइसी के आनलाइन ट्रैफिक में भारी बढ़ोतरी देखी गई।

आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2014 के बाद से ही खादी के किसी एक स्टोर की बिक्री एक दिन में लाखों रुपये से अधिक होने लगी। दो अक्टूबर, 2014 को मन की बात में लोगों से खादी की खरीदारी करने की प्रधानमंत्री की अपील के बाद चार अक्टूबर, 2014 को खादी इंडिया की एक दिन की बिक्री 66.81 लाख रुपये की रही जो उस समय सर्वाधिक थी। हालांकि उसके बाद से खादी की बिक्री में लगातार बढ़ोतरी होती चली गई और अब एक साल में कई मौकों पर केवीआइसी के एक स्टोर की बिक्री एक करोड़ रुपये से अधिक हो जाती है।

केवीआइसी के मुताबिक वर्ष 2019 के दो अक्टूबर को नई दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित खादी इंडिया ने 1.27 करोड़ रुपये की बिक्री हुई, जो अब तक का रिकार्ड है। केवीआइसी के मुताबिक प्रधानमंत्री के मन की बात में खादी का जिक्र आने के बाद से नौजवान खादी की ओर आकर्षित होने लगे और अब यह फैशन का रूप लेता जा रहा है। कोरोना के बावजूद गत वित्त वर्ष 2020-21 में केवीआइसी का कारोबार पूर्व के वित्त वर्ष के मुकाबले 7.71 फीसद से बढ़कर 95,741.74 करोड़ रुपये का हो गया। केवीआइसी खादी के साथ अन्य उत्पादों की बिक्री भी करता है।

4 दैनिक जागरण वाराणसी, 5 जुलाई, 2021

'स्पिन' होगी चाक व बोल्ड होंगी मुश्किलें

जागरण संवाददाता, वाराणसी : स्पिन (स्ट्रेंथनिंग द पोटेंशियल आफ इंडिया) योजना के माध्यम से जिले के पांच सौ कुम्हारों की जिंदगी में खुशियां थिरकेंगी।

कुम्हारों को अधिक विद्युतचालित चाक मुहैया कराने के लिए आरबीएल बैंक एवं खादी ग्रामोद्योग के बीच समझौता हुआ है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत काशी के करीब 500 कुम्हारों को चाक दिए जाएंगे। इसका शुभारंभ 15 अगस्त को आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना करेंगे। इससे पहले यहां पर कुम्हारों को प्रशिक्षण देने के साथ उत्पादन शुरू करा दिया जाएगा। इससे पूर्व विभिन्न योजनाओं से करीब 2500 कुम्हारों को विद्युत चालित चाक दिए जा चुके हैं। कुम्हारों की आय बढ़ाने के लिए सरकार योजनाएं ला रही है। प्रधानमंत्री मोदी काशी के कुम्हारों से बात कर कई को सम्मानित कर चुके हैं। अब आयोग ने नई योजना से कुम्हारों की मदद करने की पहल की है। खादी ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक डीएस भाटी ने बताया कि योजना शुरू करने से पहले कुम्हारों को प्रशिक्षण देने की तैयारी चल रही है। योजना के तहत कुम्हारों को 20 हजार की मशीन एवं अन्य उपकरण दिए जाएंगे। पहले से जिन्हें विद्युतचालित चाक मिले हैं उनका उत्पादन चार से पांच गुना अधिक बढ़ गया है।

सेवापुरी ब्लाक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाती महिलाएं (फाइल फोटो)।

दैनिक जागरण

Khadi moves to protect brand in Mexico, globally

Sidhartha@timesgroup.com

New Delhi: Soon after Khadi & Village Industries Commission (KVIC) filed an application to register its brand Khadi and logo in Mexico, it discovered that a local entity had also sought a registration.

KVIC's objections have meant that the Mexican entity has not been able to register so far. Faced with similar attempts, KVIC has decided to aggressively pursue registrations across the world with 41 applications already filed, and the UAE and Mexico being among the latest countries to recognise its logo and brand.

From Japan and Nepal to Myanmar and Brazil, KVIC is seeking to protect its brand.

TO REGISTER IN 41 PLACES

"In view of Khadi's ever-growing popularity in India and globally, it has become very important for KVIC to protect the brand. For the first time in the last five years, KVIC has made aggressive bids to safeguard Khadi from any misuse. These efforts have yielded significant results and helped Khadi's sales grow by a big margin in last few years. Khadi's trademark registrations are essentially to prevent khadi from duplication and safeguard the interest of our artisans," KVIC chairman Vinai Kumar Saxena told **TOI**.

A few years ago, KVIC found itself in a peculiar situation when it discovered that a German entity Natural Products (BNP) has got rights on Khadi and related marks in the European Union and other countries. A source said BNP has now expressed its willingness to settle the trademark disputes amicably.

केन्द्रीय खादी ग्रामोद्योग अध्यक्ष व सांसद पहुंचे

निचला मांडवा में एक साथ रोपे 5 हजार बांस के पौधे

उदयपुर @ पत्रिका. जिले के ऋषभदेव उपखंड क्षेत्र के निचला मांडवा गांव में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में खादी-बांस महोत्सव के तहत एक साथ असम से लाए बांस के 5000 पौधे रोपे गए।

स्थानीय आदिवासी जनता को रोजगार उपलब्ध कराने तथा उन्हें अतिरिक्त आय सृजित कराने के लिए भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग एवं नेशनल काउंसिल फॉर सिविल लिबर्टीज अहमदाबाद के तत्वावधान में निचला मांडवा में यह कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना व सांसद अर्जुन लाल मीणा अतिथि थे।

सक्सेना ने कहा कि दो तरह के बांस बैंबूसा तुरला से अगरबत्ती एवं बंबूसा मुंबासा से फर्नीचर बनाए जाएंगे। यह पौधे 3 साल में 40 फीट के होंगे । एक बांस से चार बांस बनेंगे। इस प्रकार कुल 20 हजार बांस तैयार होंगे। एक बांस का वजन 25 किलो होगा। इस प्रकार कुल 5 लाख किलो बांस तैयार होगा। जिससे प्रतिवर्ष करीब 25 लाख की आमदनी होगी। सांसद मीणा ने भी विचार रखे। खादी एव ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक बद्रीलाल मीणा, पूर्व विधायक नानालाल अहारी, पूर्व प्रधान शालिग्राम खराड़ी, समाजसेवी पारस जैन, विमल कोठारी, खेरवाड़ा सरपंच लक्ष्मी अहारी आदि उपस्थित थी। प्रारंभ में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीता वर्मा एवं अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सत्यनारायण ने परियोजना के बारे में जानकारी दी।

निभाया फर्ज

3, 2021

BUSINESS & ECONO

Retail, wholesale trade to get MSME status

NEW DELHI, July 2: In a major move to support traders in the country, the government has revised guidelines for micro, small and medium enterprises (MSME) to bring retail and wholesale trade under their ambit.

Noting that retail and wholesale trade were left out of the ambit of MSMEs, Union MSME Minister Nitin Gadkari, in a string of tweets, said: "Under the revised guidelines, MSME has issued order to include retail and wholesale trade as MSME and extending to them the benefit of priority sector lending under RBI guidelines."

"Under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, we are committed to strengthening of MSME and make them engines for economic growth. The revised guidelines will benefit 2.5 crore retail and wholesale traders."

With the revised guidelines, the retail and wholesale trades will be now be allowed to register on Udyam portal.

> In a major move to support traders in the country, the government has revised guidelines for micro, small and medium enterprises (MSME) to bring retail and wholesale trade under their ambit

In a statement in response to the decision, the Confederation of All India Traders (CAIT) said that the traders of the country are in a jubilant mood because of their inclusion under the definition of MSME.

CAIT Secretary General Praveen Khandelwal said the decision of the government will benefit about more than eight crore small businesses of the country.

Resurgent India Managing Director Jyoti Prakash Gadia described the move as a path-breaking decision, which will have a positive and lasting impact on the economy.

"This will enable them to become a major part of the mainstream economy facilitated by the availability of credit from banks on a priority basis at cheaper rates," he said. – IANS

KVIC secures trademark registrations in Bhutan, UAE and Mexico; Files applications in 40 countries

Industry

Harshita Tyagi
Updated Jul 10, 2021 | 18:51 IST

KVIC is charged with the planning, promotion, organisation and implementation of programs for the development of Khadi and other village industries in the rural areas

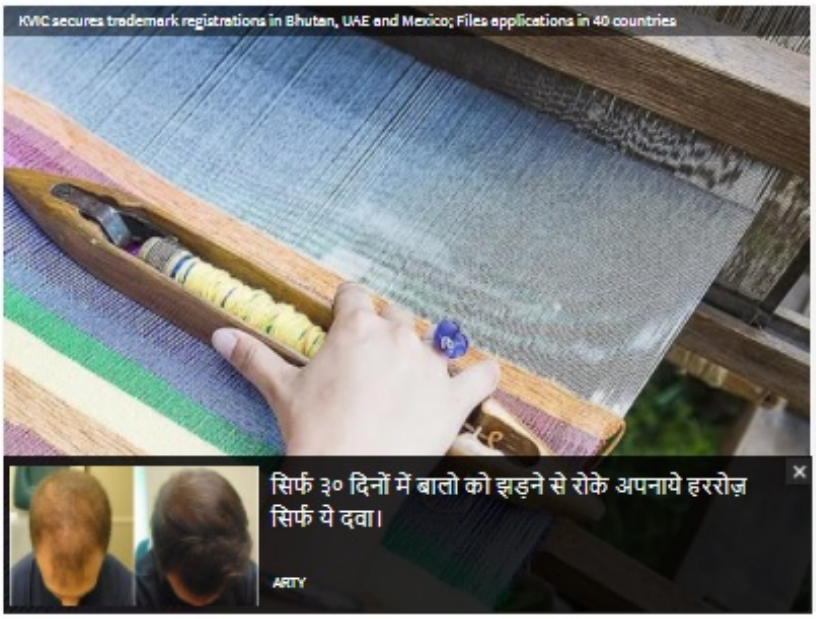

KEY HIGHLIGHTS

- Before this, KVIC had secured trademark registrations for the brand 'KHADI' in 6 countries- Germany, UK, Australia, Russia, China and EU
- KVIC's trademark applications are pending in 40 countries across the world
- KVIC is taking all measures to protect the identity and global popularity of Khadi

New Delhi: In a big stride towards protecting the identity of brand "Khadi" globally, the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) recently secured trademark registrations in three countries – Bhutan, UAE, and Mexico. Apart from these countries, KVIC's trademark applications are pending in 40 countries across the world that include the USA, Qatar, Sri Lanka, Japan, Italy, Australia, New Zealand, Singapore, Brazil and others.

While KVIC obtained the latest trademark registration in Bhutan on July 9, trademark registration was granted in UAE last month on the 28th. With this, KVIC has succeeded in securing trademark registration for the first time in a Gulf country. Earlier, KVIC got the trademark registration for "Khadi" in Mexico in December 2020.

So far, the commission was having Trademark registrations for the word mark "KHADI" in six countries namely Germany, UK, Australia, Russia, China and EU where trademark registrations were granted in certain classes. However, with recent trademark

केवीआईसी सोशल मीडिया पर

फेसबुक पर

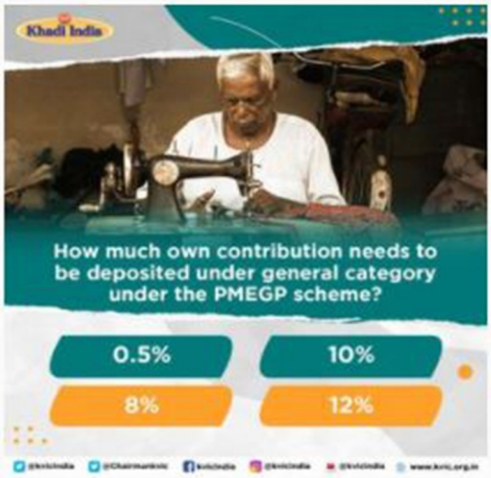

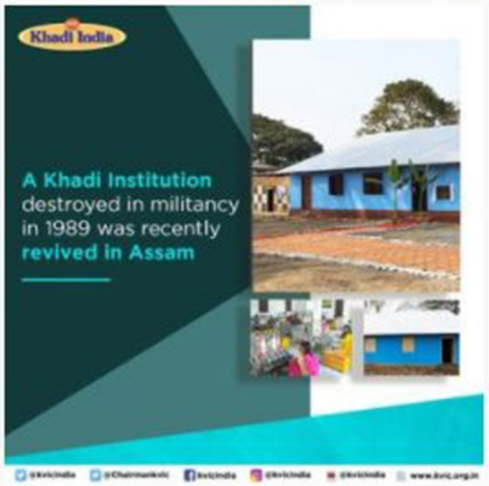

केवीआईसी सोशल मीडिया पर

इंस्टाग्राम पर

विशेष दिन पोस्ट

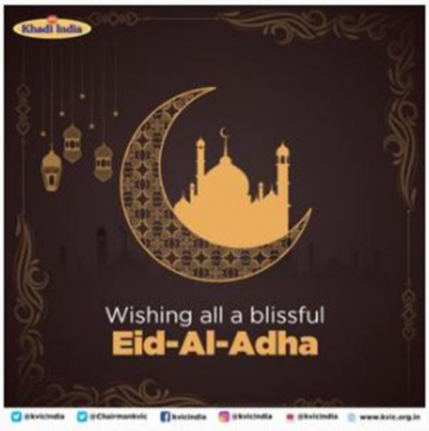

Khadi India

भारत में मधु क्रांति

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

Download the Khadi India App from | kvicindia | @kvicindia | kvicindia | www.kvic.org.in